

# कैला देवी चालीसा (Kaila Devi Chalisa)

॥कैला देवी चालीसा॥

॥ दोहा ॥

जय जय कैला मात हे  
तुम्हे नमाउ माथ ॥  
शरण पडूं में चरण में  
जोडूं दोनों हाथ ॥

आप जानी जान हो  
मैं माता अंजान ॥  
क्षमा भूल मेरी करो  
करूं तेरा गुणगान ॥

॥ चौपाई ॥

जय जय जय कैला महारानी ।  
नमो नमो जगदम्ब भवानी ॥

सब जग की हो भाग्य विधाता ।  
आदि शक्ति तू सबकी माता ॥

दोनों बहिना सबसे न्यारी ।  
महिमा अपरम्पार तुम्हारी ॥

शोभा सदन सकल गुणखानी ।  
वैद पुराणन माँही बखानी ॥4॥

जय हो मात करौली वाली ।  
शत प्रणाम कालीसिल वाली ॥

ज्वालाजी में ज्योति तुम्हारी ।  
हिंगलाज में तू महतारी ॥

तू ही नई सैमरी वाली ।  
तू चामुंडा तू कंकाली ॥

नगर कोट में तू ही विराजे ।  
विंध्यांचल में तू ही राजे ॥8॥

धौलागढ़ बेलौन तू माता ।  
वैष्णवदेवी जग विख्याता ॥

नव दुर्गा तू मात भवानी ।  
चामुंडा मंशा कल्याणी ॥

जय जय सूये चोले वाली ।  
जय काली कलकत्ते वाली ॥

तू ही लक्ष्मी तू ही ब्रम्हाणी ।  
पार्वती तू ही इन्द्राणी ॥12॥

सरस्वती तू विद्या दाता ।  
तू ही है संतोषी माता ॥

अन्नपुर्णा तू जग पालक ।  
मात पिता तू ही हम बालक ॥

तू राधा तू सावित्री ।  
तारा मतंगडिंग गायत्री ॥

तू ही आदि सुंदरी अम्बा ।  
मात चर्चिका हे जगदम्बा ॥16॥

एक हाथ में खप्पर राजै ।  
दूजे हाथ त्रिशूल विराजै ॥

कालीसिल पै दानव मारे ।  
राजा नल के कारज सारे ॥

शुम्भ निशुम्भ नसावनि हारी ।  
महिषासुर को मारनवारी ॥

रक्तबीज रण बीच पछारो ।  
शंखासुर तैने संहारो ॥20॥

ऊँचे नीचे पर्वत वारी ।  
करती माता सिंह सवारी ॥

ध्वजा तेरी ऊपर फहरावे ।  
तीन लोक में यश फैलावे ॥

अष्ट प्रहर माँ नौबत बाजै ।

चाँदी के चौतरा विराजै ॥

लांगुर घटून चलै भवन में ।  
मात राज तेरौ त्रिभुवन में ॥24॥

घनन घनन घन घंटा बाजत ।  
ब्रह्मा विष्णु देव सब ध्यावत ॥

अगनित दीप जले मंदिर में ।  
ज्योति जले तेरी घर-घर में ॥

चौसठ जोगिन आंगन नाचत ।  
बामन भैरों अस्तुति गावत ॥

देव दनुज गन्धर्व व किन्नर ।  
भूत पिशाच नाग नारी नर ॥28॥

सब मिल माता तोय मनावे ।  
रात दिन तेरे गुण गावे ॥

जो तेरा बोले जयकारा ।  
होय मात उसका निस्तारा ॥

मना मनौती आकर घर सै ।  
जात लगा जो तोंकू परसै ॥

ध्वजा नारियल भेंट चढ़ावे ।  
गुंगर लौंग सो ज्योति जलावै ॥32॥

हलुआ पूरी भोग लगावै ।

रोली मेहंदी फूल चढ़ावे ॥

जो लांगुरिया गोद खिलावै ।  
धन बल विद्या बुद्धि पावै ॥

जो माँ को जागरण करावै ।  
चाँदी को सिर छत्र धरावै ॥

जीवन भर सारे सुख पावै ।  
यश गौरव दुनिया में छावै ॥36॥

जो भभूत मस्तक पै लगावे ।  
भूत-प्रेत न वाय सतावै ॥

जो कैला चालीसा पढ़ता ।  
नित्य नियम से इसे सुमरता ॥

मन वांछित वह फल को पाता ।  
दुःख दारिद्र नष्ट हो जाता ॥

गोविन्द शिशु है शरण तुम्हारी ।  
रक्षा कर कैला महतारी ॥40॥

॥ दोहा ॥

संवत तत्व गुण नभ भुज सुन्दर रविवार ।  
पौष सुदी दौज शुभ पूर्ण भयो यह कार ॥  
॥ इति कैला देवी चालीसा समाप्त ॥

\*\*\*\*\*

# Kaila Devi Chalisa

(in English)

**॥ doha ॥**

jay jay kaila maata he  
hari namau maath ॥  
sharan mein charan mein  
jodoon donon haath ॥

aap jaaniye  
main maata anjaan ॥  
kshama karen meree karo  
karoon tera gunagaan ॥

**॥ chaupae ॥**

jay jay jay kaala mahaaraanee ॥  
namo namo jagadamb bhavaanee ॥

sab jag kee ho bhaagy vidhaata ॥  
aadi shakti tu maata maata ॥

donon bahina sabase nyaaree ॥  
mahima aparampaar vivaah ॥

sobha sakal sakal gunakhaanee ॥  
vaid puraanan manhi bakhaanee ॥4 ॥

jay ho maata karauleevaalee ॥  
shat poojan kaaleesil vaalee ॥

bootajee mein jyoti vivaah ॥  
hingalaaaj mein too mahataaree ॥

too hee naee saamaree vaalee ॥  
too chaamunda kankaalee ॥

nagar kot mein too hee viraaje ॥  
vindhyaachal mein too hee raajai ॥8 ॥

dhaulaagadh belaun too maata ॥  
vaishnavadevee jag mrgama ॥

nav durga too maata bhavaanee ॥  
chaamunda kalyaan vidhi ॥

jay jay suye chhole vaalee ॥  
jay kaalee kalakatte vaalee ॥

too hee lakshmee too hee bramhaanee ॥  
paarvatee too hee indraanee ॥12 ॥

sarasvatee tu vidya daata ॥  
too hee hai santoshee maata ॥

annapoorna too jag paalak ॥  
maata pita hee ham baalak hain ॥

too raadha too priya ॥  
taara maatangading gaayatree ॥

too hee aadi sundaree amba ॥  
maata charchika he jagadamba ॥16 ॥

ek haath mein khappar raajai ॥  
dooje haath trishool viraajai ॥

kaaleesil pai daanav maare ॥  
raaja nal ke karj saare ॥

shumbh nishumbh naasaavani haaree ॥  
mahishaasur ko maaravaadee ॥

raktabeej ran beech paharo ॥  
shankhaasur taine sanhaaro ॥20 ॥

oonche neeche parvat vaaree ॥  
maata sinh raanee ॥

dhvaja oopar phaharaave ॥  
teen lok mein yash shobhaayamaan ॥

asht prahar maan naubat baajai ॥  
chaandee ke chautara viraajai ॥

langoor ghaatoon chalai bhavan mein ॥  
maata raaj terau tribhuvan mein ॥24 ॥

ghanan ghanan ghan ghanta bajat ॥  
brahma vishnu dev sab dhyaavat ॥

agnit deep jale mandir mein ॥  
jyoti jale teree ghar-ghar mein ॥

chausath jogin bele naachat ॥  
baaman bhairon astuti gaavat ॥

dev danuj gandharv va kinnar ॥  
bhoot pishaach naag naaree nar ॥28 ॥

sab mil maata toy manaave ॥  
raat din tera gun gaave ॥

jo tera bole jayakaara ॥  
hoy maata usaka nistaara ॥

man manatee gyaan ghar sai ॥  
jaat laga jo tonkoo parasae ॥

dhvaja koskonet ankitave ॥  
gungar laung so jyoti jalaavai ॥32 ॥

halua poorn bhog lagaavai ॥  
rolee laang phool chadhaave ॥

jo laanguriya god khilaavai ॥  
dhan bal vidya buddhi paavai ॥

jo maan ko jagaav karaavai ॥  
chaandee ko sir chhatr dharaavai ॥

jeevan bhar saara sukh paavai ॥  
yash gaurav sansaar mein chhaavai ॥36 ॥

jo bahut mastak pai lagaave ॥  
bhoot-pret na vai sataavai ॥

jo kaila chaaleesa restaraan ॥  
nity niyam se ise sumarata ॥

man puraalekh vah phal ko paata hai ॥  
dukh daaridr nasht ho jaata hai ॥

shishu mandir hai govind sharanasthaan ॥  
raksha kar kaila mahataaree ॥40 ॥

### ॥ doha ॥

sanvat tatv gun nabh bhuj sundar ravivaar ॥  
paush sudee dauj shubh poorn bhayo yah kaar ॥

॥ iti Kaila Devi chaaleesa samaapt ॥

\*\*\*\*\*